भारत सरकार
पर्यटन मंत्रालय
लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. 1166

सोमवार, 28 जुलाई, 2025/6 श्रावण, 1947 (शक)
को दिया जाने वाला उत्तर

राष्ट्रीय पर्यटन सलाहकार परिषद

1166. श्री बृजमोहन अग्रवाल:

क्या पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) राष्ट्रीय पर्यटन सलाहकार परिषद का ब्यौरा क्या है और परिषद द्वारा अपनी पिछली पाँच बैठकों के दौरान क्या प्रमुख सिफारिशें की गई हैं;
- (ख) क्या परिषद द्वारा सभी राज्यों और संघ राज्यक्षेत्रों में अतिथि गृहों/पर्यटक आवासों को बढ़ावा देने के लिए किसी राष्ट्रीय एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म की सिफारिश की गई है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस पर क्या कार्रवाई की गई है;
- (ग) इस वित्तीय वर्ष में छत्तीसगढ़ सहित देश में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार बजट आवंटन का ब्यौरा क्या है; और
- (घ) विगत ग्यारह वर्षों के दौरान छत्तीसगढ़ हेतु स्वीकृत और लंबित परियोजनाओं का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री

(श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) और (ख): राष्ट्रीय पर्यटन सलाहकार परिषद (एनटीएसी) माननीय पर्यटन मंत्री की अध्यक्षता में पर्यटन मंत्रालय के 'थिंक टैंक' के रूप में कार्य करती है। इस परिषद में प्रमुख केंद्रीय मंत्रालयों के प्रतिनिधि, यात्रा एवं पर्यटन प्रबंधन क्षेत्र के विशेषज्ञ और प्रमुख उद्योग संघों के पदेन सदस्य शामिल होते हैं।

राष्ट्रीय पर्यटन सलाहकार परिषद की पिछली पांच बैठकों से निकलने वाली प्रमुख सिफारिशों में आध्यात्मिक, धार्मिक और विरासत पर्यटन का संवर्धन; एमआईसीई पर्यटन को सुदृढ़ बनाना; तथा अल्पज्ञात स्थलों तक बेहतर हवाई और रेल संपर्क के साथ अतिरिक्त पर्यटन परिपथ विकसित करना शामिल है। परिषद ने अवसंरचना के विकास और सुरक्षा मानकों के माध्यम से साहसिक पर्यटन को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर भी बल दिया और इनबाउंड पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए अंतर्राष्ट्रीय हवाई सीटों की क्षमता बढ़ाने के उपाय सुझाए। हालांकि, सभी राज्यों और संघ राज्यक्षेत्रों में अतिथि गृहों/पर्यटक आवासों को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म के संबंध में परिषद द्वारा कोई विशेष सिफारिश नहीं की गई।

(ग): मंत्रालय आतिथ्य सहित घरेलू संवर्धन एवं प्रचार (डीपीपीएच) की अपनी योजनाओं के तहत छत्तीसगढ़ सहित अन्य राज्य सरकारों और संघ राज्यक्षेत्रों को पर्यटन के संवर्धन के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करता है। चालू वित्त वर्ष के लिए आतिथ्य सहित घरेलू संवर्धन एवं प्रचार (डीपीपीएच) योजना के अंतर्गत आवंटन 136.90 करोड़ रु. का है। मंत्रालय द्वारा राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार बजट आवंटन नहीं किया गया है।

(घ): पर्यटन मंत्रालय 'स्वदेश दर्शन', 'राष्ट्रीय तीर्थस्थल जीर्णोद्धार एवं आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान संबंधी मिशन (प्रशाद) और 'पर्यटन अवसंरचना विकास हेतु केंद्रीय एजेंसियों को सहायता' नामक योजनाओं के तहत देश के विभिन्न पर्यटन स्थलों पर पर्यटन संबंधी अवसंरचना और सुविधाओं के विकास के लिए राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों/केंद्रीय एजेंसियों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है।

पर्यटन मंत्रालय ने गंतव्य-केंद्रित दृष्टिकोण अपनाते हुए स्थायी एवं जिम्मेदारियुक्त गंतव्य के विकास के उद्देश्य से अपनी स्वदेश दर्शन योजना को स्वदेश दर्शन 2.0 (एसडी 2.0) के तौर पर नया रूप दिया है।

व्यय विभाग, वित्त मंत्रालय की पूंजी निवेश हेतु राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों को विशेष सहायता (एसएससीआई) योजना के अंतर्गत, पर्यटन मंत्रालय द्वारा वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित पर्यटन केंद्रों के विकास हेतु परिचालन दिशानिर्देश जारी किए गए हैं। इन दिशानिर्देशों के अनुरूप, भारत सरकार ने देश भर के 23 राज्यों में कम प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों के विकास के लिए 3295.76 करोड़ रु. की 40 परियोजनाओं को मंजूरी दी है।

छत्तीसगढ़ राज्य में उपर्युक्त योजनाओं के अंतर्गत स्वीकृत धनराशि का विवरण अनुबंध में दिया गया है।

श्री बृजमोहन अग्रवाल द्वारा राष्ट्रीय पर्यटन सलाहकार परिषद के संबंध में दिनांक 28.07.2025 को पूछे जाने वाले लोक सभा के लिखित प्रश्न सं. 1166 के भाग (घ) के उत्तर में विवरण

छत्तीसगढ़ में स्वदेश दर्शन योजना के अंतर्गत स्वीकृत परियोजनाएं :-

क्र. सं.	परिपथ/ स्वीकृति वर्ष	परियोजना का नाम	स्वीकृत राशि (करोड़ रु. में)	स्थिति
1.	जनजातीय परिपथ 2015-16	जशपुर- कुनकुरी-मैनपाट-कमलेशपुर-महेशपुर- कुरदर- सरोधादादर- गंगरेल- कौंडागांव- नथियानवागांव- जगदलपुर -चित्रकूट- तीरथगढ़ का विकास	96.10	पूर्ण

स्वदेश दर्शन 2.0 के अंतर्गत स्वीकृत परियोजनाओं की सूची :-

क्र. सं.	स्वीकृति की तिथि	गंतव्य	अनुभव का नाम	स्वीकृत लागत (करोड़ रु. में)	स्थिति
1.	2024-25	कवर्धा	भोरमदेव कॉरिडोर विकास, कबीरधाम जिला	145.99	जारी

चुनौती आधारित गंतव्य विकास (सीबीडीडी), स्वदेश दर्शन योजना की एक उप-योजना :-

क्र. सं.	स्वीकृति वर्ष	गंतव्य	श्रेणी	स्वीकृत लागत (लाख रु. में)	स्थिति
1.	2024-25	मायाली बगीचा	पारिस्थितिकी की पर्यटन और अमृत धरोहर स्थल	996.97	जारी

पूंजी निवेश के लिए राज्यों को विशेष सहायता (एसएससीआई योजना) - वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित पर्यटन केंद्रों का विकास :-

क्र. सं.	स्वीकृति वर्ष	परियोजना का नाम	स्वीकृत लागत (करोड़ रु. में)	स्थिति
1.	2024-25	रायपुर में चित्रोत्पला फिल्म सिटी का विकास	95.79	जारी
2.	2024-25	रायपुर में जनजातीय एवं सांस्कृतिक सम्मेलन केंद्र का विकास	51.87	जारी

प्रशाद योजना के तहत स्वीकृत परियोजनाएं :-

क्र. सं.	स्वीकृति वर्ष	परियोजना का नाम	स्वीकृत राशि (करोड़ रु. में)	स्थिति
1.	2020-21	मां बम्लेश्वरी देवी मंदिर, डोंगरगढ़, जिला राजनंदगांव, छत्तीसगढ़ का विकास	48.44	पूर्ण